चलो जलाये दीप वहाँ

जहाँ अभी भी अंधेरा है...

तू – मैं एक रक्त

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद्

उद्देश्य :

- भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय जीवनधारा के अनुरूप वनवासी समाज को शिक्षा, संस्कार तथा स्वावलम्बन से अपना एवं अपने समाज का सर्वांगीण विकास करने की ओर प्रेरित करना ।
- वनवासी समाज में अपनी पहचान की रक्षा करते हुए स्वाभिमान और आत्म–गौरव का भाव दृढ़ करना।
- वनवासी समाज में अपनी आस्थाओं के प्रति विश्वास को दृढ़ करना।
- वनवासी समाज को अपने समाज में सफल एवं सुदृढ़ नेतृत्व खड़ा कर स्वप्रेरणा तथा स्वनिर्णय से राष्ट्रहित में लग जाने की और प्रेरित करना।
- वनवासी समाज में सेवा के छद्म आवरण के पीछे चल रही अराष्ट्रीय गतिविधियों से सजगता पैदा कर राष्ट्रीय भाव दृढ़ करना।
- वनवासी वर्ग की समस्याओं एवं कठिनाइयों की ओर शासन एवं समाज का ध्यान आकृष्ट करना।
- शहरवासी और वनवासी के बीच सामंजस्य, एकत्व और स्नेहिल बंधुत्व भाव–निर्माण करना।

भारत में वनवासी अंचल

- ✧ कुल अनुसूचित जनजाति जनसंख्या 10 करोड़ 45 लाख
- ✧ कुल अनुसूचित जनजातियां 578 लगभग
- ✧ कुल वनवासी जिले 439
- ✧ कुल विकास खण्ड 2,329
- ✧ कुल वनवासी गाँव 1,83,237

अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम

- ✧ 1952 में स्थापना
- ✧ भारत के सभी राज्यों में कार्य
- ✧ 240 जनजातियों में कार्य
- ✧ 20,044 कुल प्रकल्प (कल्याण आश्रम द्वारा संचालित)
- ✧ 335 वनवासी जिलों में कार्य।
- ✧ 1,222 विकास खंडो में कार्य।
- ✧ 14,850 गांवों में कार्य।

कौशल विकास केन्द्र

प्राथमिक विद्यालय

राजस्थान में वनवासी अंचल

- कुल अनुसूचित जनजाति जनसंख्या 98,38,534
- प्रमुख अनुसूचित जनजातियां 8
  (भील, मीणा, गरासिया, सहरिया, कथौड़ी, डामोर, पटेलिया, नायक आदि)
- वनवासी जिले 16
- कुल विकास खण्ड 61
- कुल वनवासी गाँव 6322

राजस्थान में वनवासी कल्याण परिषद्

- 1978 में स्थापना।
- सभी प्रमुख जनजातियों में कार्य।
- सभी वनवासी जिलों में कार्य।
- 58 विकास खण्डो में कार्य।
- 2639 गाँवों में सम्पर्क।

आरोग्य रक्षा

चिकित्सा

सिलाई केन्द्र

आर्थिक उन्नयन

आश्रम छात्रावास

लोक कला संवर्धन

राजस्थान में कार्य एक दृष्टि में

• छात्रावास	:	17
• उच्च माध्यमिक विद्यालय	:	6
• प्राथमिक विद्यालय	:	4
• एकलव्य संस्कार केन्द्र	:	185
• खेल केन्द्र	:	212
• श्रद्धा केन्द्र	:	346
• कशीदा केन्द्र	:	11
• स्वयं सहायता समूह	:	134
• मंदिर निर्माण	:	11
• चिकित्सालय (कोटड़ा)	:	1
• चल चिकित्सा वाहिनी	:	1
• चिकित्सा शिविर	:	50 वार्षिक
• आरोग्य रक्षा केन्द्र	:	174
• कूप खनन	:	5185
• एनिकट निर्माण	:	45
• लघु उद्योग केन्द्र	:	1
• आदर्श ग्राम विकास योजना	:	हर जिलें में एक ग्राम

विशेष : उदयपुर जिले की कोटड़ा तहसील के सभी 304 गाँव के सर्वांगीण विकास की योजना है।

"जिन्हे हम गिरिजन, वनवासी कहते हैं .... निश्चित करें कि अब हम निजी स्वार्थ को मर्यादित रखकर अपने पास की बुद्धि और धन इन सब लोगों को सुशिक्षित, सुसंस्कारित करने के लिये खर्च करेंगे। .... सम्पूर्ण समाज को सबल बनाने और जगत भर में उसकी शाखा-पल्लव को सुसज्जित और सन्तुष्ट करने के लिये हमें चाहिये कि अपने व्यवहारों में सभी भेदों की भावनाओं को उखाड़ फेंकें।"

– श्री गुरूजी

आह्वान

कल्याण आश्रम का कार्य ईश्वरीय अधिष्ठान है। हमें भारत के खोए वैभव, जाज्वल्यमान कीर्ति तथा संस्कृति के उच्चतम शिखरों को पुनः प्राप्त करना है। अतः भारत की एकता, अखंडता एवं अस्मिता हेतु आपका योगदान इस प्रकार हो सकता है :-

- गृहस्थी की जिम्मेदारियों को पूर्ण कर चुके बन्धु/भगिनी वानप्रस्थी कार्यकर्ता के रूप में।
- प्रतिदिन तीन-चार घंटे का समय, प्रति सप्ताह में एक-दो दिन का समय, प्रति माह 5-6 दिन का समय इस पुनीत कार्य हेतु लगा कर।
- देश की युवा शक्ति अपनी बुद्धि, शक्ति और तेजस्विता से प्रचारक रूप में या पूर्णकालीन कार्यकर्ता के रूप में या अंशकालीन कार्यकर्ता के रूप में सहयोगी बनकर।
- स्वास्थ्य एवं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, घर-परिवार से दूर रहकर, इस राष्ट्र-यज्ञ में समय समर्पण कर। निम्न अंकित योजनाओं में आर्थिक सहयोग दे

(1) एक एकलव्य संस्कार केन्द्र का वार्षिक व्यय	25,000	(5) एक आश्रम छात्रावास का वार्षिक व्यय	3,00,000
(2) छात्रावास के एक बालक का वार्षिक व्यय	21,000	(6) एक जीवनवृती कार्यकर्ता का वार्षिक व्यय	75,000
(3) एक आरोग्य रक्षा केन्द्र	7,000	(7) मुक्त–हस्त सहयोग	(अन्तर्मन की प्रेरणानुसार)
(4) एक सत्संग केन्द्र का वार्षिक व्यय	5,000		

अपना चैक/ड्राफ्ट **राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् उदयपुर** के नाम से भेजें

या सीधे ही रा.व.क.प. के SBI A/c 51010053348 IFSC-SBIN31598 Branch-से.11, हिरणमगरी, या PNB A/c 2973000100022765 IFSC-PUNB0297300 Branch-कालाजी गोराजी, उदयपुर (राज.) में ऑन लाइन भी जमा करा सकते हैं। एवं इसकी सूचना Mob.9828448879 पर Whatsapp/Text Message से देवें।

राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद् को दिया गया आर्थिक सहयोग आयकर की धारा 80 जी के अन्तर्गत कर–मुक्त है।

यज्ञ हित हो पूर्ण आहुति व्यक्तिगत संसार स्वाहा ! देश के उत्थान में हो अतुल धन भंडार स्वाहा !!
कर सके विचलित न किंचित् मोह के ये कठिन बंधन! राष्ट्र हित की साधना में, हम करें सर्वस्व अर्पण!!

'कल्याण आश्रम' - प्रताप कॉलोनी, हिरण मगरी, सेक्टर-13, उदयपुर (राज.) दूरभाष : 0294-2484456/3550081, 9828348033
website : www.rvkp.org, E-mail : rvkpudaipur3@gmail.com